Daily Current Affairs

Date : 24 September, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	RPSC में 3 नए सदस्य नियुक्त
2.	राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस : राज्य स्तरीय समारोह
3.	राइजिंग भारत समिट एंड अवॉर्ड्स (RBSA) - 2025
4.	"इलाफ्रोपोडा गुप्ती" मधुमक्खी की नई प्रजाति
5.	फिलिस्तीन को राज्य के रूप में मान्यता
6.	बगराम एयरबेस
7.	बाल्टिक सागर
8.	स्वेल वेव्स
9.	भूमिगत न्यूट्रिनो डिटेक्टर
10.	एक्सट्रीम न्यूक्लियर ट्रांजिएंट्स (ENTs)
11.	व्योममित्र
12.	क्वासी-मून: '2025 PN7'
13.	सावलकोट परियोजना (Sawalkote Project)
14.	प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)
15.	मैत्री 2.0 क्रॉस-इनक्यूबेशन प्रोग्राम
16.	औद्योगिक पार्क रेटिंग सिस्टम (IPRS) 3.0
17.	विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2025
18.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. हेओ और टाटो-I 2. ला ऑर्चिला द्वीपसमूह 3. प्रोडक्शन गैप रिपोर्ट, 2025 4. प्रोजेक्ट विजयक

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

RPSC में 3 नए सदस्य नियुक्त

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान के राज्यपाल द्वारा राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) में 3 नए सदस्य नियुक्त किए गए।

मुख्य बिन्दु:

- **नव-नियुक्त सदस्य:** पूर्व आईपीएस हेमंत प्रियदर्शी, डॉ. अशोक कलवार और डॉ. सुशील बिस्सू।
- तीन नए सदस्यों की नियुक्ति के साथ ही RPSC में अध्यक्ष सहित कुल सदस्य संख्या 8 हो गए है।

RPSC के वर्तमान अध्यक्ष और सदस्य:

- **अध्यक्ष :** उत्कल रंजन साहू।

सदस्य :

1. डॉ. संगीता आर्य
2. प्रोफेसर अय्यूब खान
3. कैलाश चंद मीणा
4. लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह राठौड़
5. हेमंत प्रियदर्शी
6. डॉ. अशोक कलवार
7. डॉ. सुशील बिस्सू।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)

- राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) एक संवैधानिक संस्था है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संवैधानिक प्रावधान:** संविधान के भाग XIV में अनुच्छेद 315 से अनुच्छेद 323 के तहत राज्य लोक सेवा आयोग (SPSC) की संरचना, उसके सदस्यों की नियुक्ति और निष्कासन तथा SPSC की शक्तियों और कार्यों के बारे में प्रावधान किये गए हैं।
- वर्तमान में RPSC में एक अध्यक्ष एवं 10 सदस्य हैं, जिनकी नियुक्ति राजस्थान के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- **त्याग पत्र :** राज्यपाल को संबोधित।
- **कार्यकल -** आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य अधिकतम 6 वर्ष अथवा 62 वर्ष की उम्र जो भी पहले हो, के लिए कार्यरत रहते हैं।

कार्य:

1. राज्य सेवाओं में नियुक्तियों हेतु परीक्षाएँ आयोजित करता है।
2. कार्मिक प्रबंधन से जुड़े मामलों में सरकार को परामर्श देता है।
3. सिविल सेवाओं में भर्ती की पद्धतियों पर सलाह देता है।
4. नियुक्ति, पदोन्नति और स्थानांतरण के सिद्धांत तय करता है।

स्थापना से पूर्व की पृष्ठभूमि:

- वर्ष 1923 में ली कमीशन ने भारत में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की स्थापना की सिफारिश की थी परंतु प्रांतीय लोक सेवा आयोगों के बारे में कोई सिफारिश नहीं की गई।
- राजस्थान राज्य के गठन के समय 22 रियासतों में से केवल 3 - जयपुर, जोधपुर और बीकानेर में ही लोक सेवा आयोग कार्यरत थे।
- रियासतों के एकीकरण के पश्चात्, 'राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यादेश, 1949' को 20 अगस्त, 1949 को राजपत्र में प्रकाशित किया गया।
- 22 दिसम्बर, 1949 को गजट नोटिफिकेशन प्रकाशित हुआ, इसी दिन को आयोग की स्थापना तिथि माना जाता है।
- प्रारंभ में आयोग में 1 अध्यक्ष और 2 सदस्य नियुक्त किए गए।
- **अध्यक्ष:** सर एस. के. घोष (तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश)
- **सदस्य:** देवीशंकर तिवारी एवं एन. आर. चन्दोरकर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस : राज्य स्तरीय समारोह

चर्चा में क्यों?

- 23 सितंबर, 2025 को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC) में 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **थीम :** आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए।
- राजस्थान में 'राष्ट्रीय आयुष मिशन' की सहायता से राज्य वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के तहत कुल 348.88 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- राजस्थान सरकार ने 01 अप्रैल, 2025 से आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) में आयुष चिकित्सा के 20 पैकेज जोड़े हैं, जिनके अंतर्गत 79 आयुर्वेद चिकित्सालयों को एम्पैनल किया गया है।
- आयुष्मान आरोग्य ग्राम योजना के तहत प्रारंभिक रूप से 210 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों में स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जागरूकता पैदा कर उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ ग्राम बनाया जाएगा। इस कार्य के लिए चयनित ग्रामों को प्रोत्साहन स्वरूप 11 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।
- **राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय :** चाकसू (जयपुर)
- **एकीकृत आयुष चिकित्सालय :** दूदू एवं बूंदी।

राष्ट्रीय आयुष मिशन:

- इस मिशन को सितंबर, 2014 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आयुष विभाग द्वारा राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के माध्यम से कार्यान्वयन के लिये शुरू किया गया था।
- वर्तमान में इसे आयुष मंत्रालय द्वारा लागू किया जा रहा है।
- आयुष मिशन के तहत राजस्थान द्वारा देश में सर्वाधिक 2019 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) क्रियाशील किये गए हैं, जो समग्र स्वास्थ्य सेवा के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- हाल ही में, केंद्र सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस के रूप में घोषित किया।
- पूर्व में, धनतेरस पर आयुर्वेद दिवस मनाया जाता था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति :

- आयुर्वेद का शाब्दिक अर्थ "जीवन का विज्ञान" है। आयुर्वेद जीवन, रोग और स्वास्थ्य के बारे में आधारभूत दर्शन की व्याख्या करने वाले विभिन्न वैदिक श्लोकों के आधार पर विकसित हुआ है।
- 2500 ई.पू. के आस-पास विकसित चरक संहिता और सुश्रुत संहिता आयुर्वेद के मुख्य ग्रंथ हैं।
- आयुर्वेद मनुष्यों के शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक पहलुओं और इन पहलुओं के बीच पारस्परिक संबंधों के बारे में समेकित अवधारणा पर आधारित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राइजिंग भारत समिट एंड अवॉर्ड्स (RBSA) - 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, जयपुर में 'राइजिंग भारत समिट एंड अवॉर्ड्स (RBSA) – 2025 का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **डॉ. नवीन शर्मा :** "आर्टिफिशल इंटेलिजेंस विजनरी ऑफ द ईयर अवॉर्ड – 2025"
- उन्हें यह पुरस्कार एआई और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।
- **अंकित खंडेलवाल :** "बेस्ट वेडिंग एंड कॉर्पोरेट एंकर ऑफ इंडिया अवॉर्ड-2025"
- **इनाया खान :** बालिका शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान' की ब्रांड एंबेसडर इनाया खान को पुरस्कृत किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

"इलाफ्रोपोडा गुप्ती" मधुमक्खी की नई प्रजाति

चर्चा में क्यों?

- अरुणाचल प्रदेश के नमदाफा नेशनल पार्क से मधुमक्खियों की दो नई प्रजातियों की खोज की गई है।

मुख्य बिन्दु:

- यह खोज जोधपुर निवासी डॉ. संदीप हुड्डा की टीम द्वारा की गई।
- खोजी गई 2 प्रजातियों में से एक का नाम "इलाफ्रोपोडा गुप्ती" (Elaphropoda guptii) रखा गया है। यह नाम स्व. प्रोफेसर राजीव गुप्ता के सम्मान में रखा गया।
- वे जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू), जोधपुर के प्राणी शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष थे, जिन्होंने भारत में मधुमक्खी विविधता को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- वनों की कटाई, कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन के कारण मधुमक्खियों की कई प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर हैं।
- मधुमक्खियाँ प्रकृति की नन्हीं सिपाही मानी जाती हैं क्योंकि वे पारिस्थितिकी संतुलन में अहम भूमिका निभाती हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

फिलिस्तीन को राज्य के रूप में मान्यता

चर्चा में क्यों?

- यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया ने फिलिस्तीन को राज्य के रूप में मान्यता प्रदान की।

मुख्य बिन्दु:

- अब संयुक्त राष्ट्र के 140 से अधिक सदस्य हो गए हैं, जिन्होंने फिलिस्तीन को राज्य के रूप में मान्यता दी है।
- भारत ने 1988 में ही फिलिस्तीन को राज्य के रूप में मान्यता दे दी थी।
  - o हाल ही में, भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में "न्यूयॉर्क घोषणा-पत्र" के पक्ष में मतदान किया था। यह घोषणा-पत्र फिलिस्तीन-इजरायल विवाद के शांतिपूर्ण समाधान और "दो-राष्ट्र समाधान" के कार्यान्वयन की बात करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राज्यों की मान्यता

- जब कोई देश किसी अन्य अधिकार क्षेत्र को राज्य के रूप में स्वीकार करता है, तो इसे "मान्यता" (Recognition) कहा जाता है।
- राज्य के अधिकारों और कर्तव्यों पर 1933 के मोंटेवीडियो कन्वेंशन का अनुच्छेद 1 राज्य का दर्जा प्राप्त करने के मानदंडों को परिभाषित करता है। ये मानदंड हैं-
  - o स्थायी जनसंख्या, निश्चित भू-क्षेत्र, सरकार, अन्य राज्यों से संबंध स्थापित करने की क्षमता आदि।

राज्य की मान्यता के प्रभाव:

- मान्यता मिलने के बाद वह अन्य राज्यों के साथ राजनयिक संबंध स्थापित कर सकता है।
- वह अन्य राज्यों के साथ संधियां कर सकता है।
- उसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के अधिकार और विशेषाधिकार मिलते हैं।
- वह संयुक्त राष्ट्र संगठन (UNO) का सदस्य बन सकता है।
- फिलिस्तीन वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र का "स्थायी पर्यवेक्षक राज्य" है, न कि पूर्ण सदस्य।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बगराम एयरबेस

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर फिर से नियंत्रण प्राप्त करने के लिए अफगानिस्तान के साथ बातचीत कर रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- यह अफगानिस्तान का सबसे बड़ा एयरबेस है। यह राजधानी काबुल के उत्तर में स्थित है।
- इसे 1950 के दशक में सोवियत संघ द्वारा विकसित किया गया था। सोवियत सेना के पीछे हटने के बाद 1990 के दशक में यह तालिबान और नॉर्दर्न अलायंस के बीच संघर्ष का केंद्र बन गया।
- अमेरिका पर 2001 के आतंकवादी हमले के बाद यह अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ अमेरिकी युद्ध का मुख्य केंद्र बन गया।
- 2021 में अमेरिकी और नाटो सैनिकों ने बगराम एयरबेस को खाली कर दिया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बाल्टिक सागर

चर्चा में क्यों?

- जर्मनी ने रूसी सैन्य विमान के बाल्टिक सागर वायु-क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद अपने लड़ाकू विमान तैनात कर दिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **अवस्थिति:** यह उत्तरी अटलांटिक महासागर में है। इसका विस्तार दक्षिणी डेनमार्क से आर्कटिक वृत्त के नजदीक तक है।
- **देश:** डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड, रूस, एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड, और जर्मनी।
  - यह दुनिया में खारा जल (ब्रैकिश वाटर) का सबसे बड़ा विस्तार है। यह semi-enclosed और उथला है।
  - कील नहर (जर्मनी में) बाल्टिक सागर को उत्तरी सागर से जोड़ती है।
  - बोथनिया की खाड़ी, फिनलैंड की खाड़ी और ग्दान्स्क की खाड़ी इसकी महत्वपूर्ण खाड़ियाँ हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

स्वेल वेव्स

चर्चा में क्यों?

- एक अध्ययन में पाया गया है कि अगर श्रीलंका का भूभाग न होता, तो दक्षिणी महासागर से आने वाली स्वेल्स वेव्स भारत के पूर्वी तट से टकरा सकती थी। इससे बाढ़ और तटीय कटाव की समस्या उत्पन्न हो सकती थी।

मुख्य बिन्दु:

स्वेल्स वेव्स:

- ये दीर्घ तरंगदैर्ध्य वाली समुद्री लहरें हैं जो अपने उद्गम स्थल से बहुत दूर तक यात्रा करती हैं।
- ये मुख्य रूप से तूफानों या तीव्र वायु-धाराओं से उत्पन्न होती हैं।
- ये स्थानीय पवनों या धाराओं से कम प्रभावित होती हैं। इनकी आवृत्ति बहुत कम होती है और इनमें सतह पर झाग नहीं दिखते, इसलिए सैटेलाइट्स में इनकी तस्वीरें नहीं आ पाती हैं।
- भारत में इन्हें "कल्लक्कडल तरंगें" कहा जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

भूमिगत न्यूट्रिनो डिटेक्टर

चर्चा में क्यों?

- चीन में विश्व का सबसे बड़ा न्यूट्रिनो डिटेक्टर सक्रिय हो गया है। इसे जियांगमिन भूमिगत न्यूट्रिनो वेधशाला (JUNO) नाम दिया गया है। यह वेधशाला 700 मीटर की गहराई में स्थित है।

मुख्य बिन्दु:

- अधिकांश न्यूट्रिनो वेधशालाएँ इसलिए भूमिगत बनाई जाती हैं, ताकि पृथ्वी के सतह कणों को रोक सके। इससे म्यूऑन्स जैसे कणों से होने वाले हस्तक्षेप को कम किया जा सकता है। म्यूऑन्स एक प्रकार के प्राथमिक उप-परमाण्विक कण हैं, जो इलेक्ट्रॉन के समान होते हैं।

JUNO के मुख्य उद्देश्य:

- **द्रव्यमान क्रम निर्धारित करना:** इसका एक लक्ष्य तीन प्रकार के न्यूट्रिनो (इलेक्ट्रॉन न्यूट्रिनो, म्यूऑन न्यूट्रिनो और टाउ न्यूट्रिनो) के बीच द्रव्यमान के क्रम को निर्धारित करना है। ये सभी अपने-अपने संबंधित अणुओं से जुड़े रहते हैं।
- **दोलन आवृत्ति को मापना:** इसका उद्देश्य न्यूट्रिनो के दोलन की आवृत्ति को मापना है, यानी यह पता लगाना कि न्यूट्रिनो कितनी बार एक प्रकार से दूसरे प्रकार में बदलते हैं।

न्यूट्रिनो:

- **प्रकृति:** ये उप-परमाण्विक कण हैं। इन्हें अक्सर 'घोस्ट पार्टिकल्स भी कहा जाता है। इनमें कोई विद्युत आवेश नहीं होता, इनका द्रव्यमान अत्यंत कम या शून्य भी हो सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उपस्थिति:** ये फोटॉन (प्रकाश के कण) के बाद दूसरे सबसे प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले कण हैं। साथ ही, ये ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले ऐसे कण हैं, जिनका द्रव्यमान होता है।
- **पता लगाना:** इनका पता लगाना मुश्किल होता है, क्योंकि ये केवल कमजोर परमाणु बल और गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से ही पदार्थ के साथ अंतर्क्रिया करते हैं।
- **विशेषताएँ:** ये सबसे शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र से भी अप्रभावित रहते हैं। ये अपने स्रोत से लगभग प्रकाश की गति से और सीधी रेखाओं में गमन करते हैं।

भारत-आधारित न्यूट्रिनो वेधशाला (INO):

- यह परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित है।
- **अवस्थिति:** यह तमिलनाडु के थेनी जिले की बोदी पश्चिम पहाड़ियों में बसे पोट्टीपुरम में निर्माणाधीन है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

एक्सट्रीम न्यूक्लियर ट्रांजिएंट्स (ENTs)

चर्चा में क्यों?

- खगोलविदों ने 'एक्सट्रीम न्यूक्लियर ट्रांजिएंट्स (ENTs)' नामक नई प्रकार की परिघटना की पहचान की है।

मुख्य बिन्दु:

एक्सट्रीम न्यूक्लियर ट्रांजिएंट्स:

- यह परिघटना तब घटित होती है जब सूर्य से कम से कम तीन गुना बड़े सितारे सुपरमैसिव ब्लैक होल द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं।
- जब कोई सितारा ब्लैक होल के इवेंट होराइज़न के पास पहुंचता है, तो उसकी प्रबल गुरुत्वीय शक्तियां (tidal forces) उसे लंबा और पतला, स्पेगेटी जैसी आकृति में बदल देती हैं।
- इस प्रक्रिया में बहुत बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ऊर्जा उत्पन्न है, और यही उत्सर्जन एक्सट्रीम न्यूक्लियर ट्रांजिएंट्स कहलाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्योममित्र

चर्चा में क्यों?

- इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने AI-संचालित रोबोट 'व्योममित्र' का अनावरण किया। यह रोबोट मानव-रहित गगनयान मिशन के साथ उड़ान भरेगा।

मुख्य बिन्दु:

व्योममित्र:

- **विकासकर्ता:** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)
- यह AI-आधारित हाफ-ह्यूमनॉइड रोबोट है।
- व्योममित्र नाम संस्कृत के दो शब्दों "व्योम" (यानी अंतरिक्ष) और "मित्र" (यानी दोस्त) से मिलकर बना है।
- यह 'महिला रोबोट अंतरिक्ष यात्री' मॉड्यूल के मापदंडों की निगरानी करने, चेतावनी जारी करने, और जीवन रक्षक प्रणालियों से जुड़े कार्यों को करने में सक्षम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

क्वासी-मून: '2025 PN7'

चर्चा में क्यों?

- खगोलविदों ने एक लघु क्वासी-मून '2025 PN7' की पहचान की है जो लगभग 60 वर्षों से पृथ्वी के पास परिक्रमा कर रहा है।

मुख्य बिन्दु:

क्वासी-मून:

- क्वासी-मून को क्वासी-सैटेलाइट भी कहते हैं। क्वासी-मून एक खगोलीय पिंड है।
  - यह सूर्य की परिक्रमा करता है, लेकिन ग्रह की समानांतर कक्षा की वजह से ऐसा लगता है मानो वह उस ग्रह के साथ गति कर रहा हो।
  - यह मुख्य रूप से सूर्य के गुरुत्वाकर्षण से प्रभावित होता है, न कि ग्रह के गुरुत्वाकर्षण से।
  - यह एक वास्तविक चंद्रमा (मून) नहीं है, क्योंकि यह चंद्रमा की तरह प्रत्यक्ष रूप से ग्रह की परिक्रमा नहीं करता है।
- खगोलविद अब तक पृथ्वी के 6 ज्ञात क्वासी-मून की खोज कर चुके है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

सावलकोट परियोजना (Sawalkote Project)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति सावलकोट परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी देने हेतु इसका परीक्षण करेगी।

मुख्य बिन्दु:

सावलकोट परियोजना:

- यह रन-ऑफ-द-रिवर प्रोजेक्ट है जो चिनाब नदी पर प्रस्तावित है।
- **अवस्थिति:** जम्मू और कश्मीर के रामबन और उधमपुर जिले।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (NHPC)। यह भारत सरकार का मिनी रत्न श्रेणी-1 का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)

चर्चा में क्यों?

- सरकार ने प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के तहत 25 लाख अतिरिक्त LPG कनेक्शनों को मंजूरी दी।

मुख्य बिन्दु:

- इसके बाद, PMUY कनेक्शनों की कुल संख्या 10.58 करोड़ हो जाएगी।

प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY):

- **मंत्रालय:** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG)।
- **प्रकार:** केंद्र क्षेत्रक की योजना।
- **शुरुआत:** इसे 2016 में 8 करोड़ ग्रामीण गरीबों को निशुल्क एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए शुरू किया गया।
  - **उज्ज्वला 2.0 (2021):** प्रवासी परिवारों के लिए विशेष सुविधा के साथ PMUY योजना के तहत 1.6 करोड़ अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन का आवंटन।
  - **अतिरिक्त मंजूरी (2023-24 से 2025-26):** 75 लाख अतिरिक्त कनेक्शन अनुमोदित किए गए हैं, जिसका कुल लक्ष्य 10.35 करोड़ एलपीजी कनेक्शन है।
- **क्रियान्वयन:** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) द्वारा तेल विपणन कंपनियों (OMCs) एवं राज्य सरकारों के सहयोग से किया जाता है।
- **पात्रता:** BPL परिवार से संबंधित वह वयस्क महिला (कम-से-कम 18 वर्ष की आयु) जिसके घर में पहले से LPG कनेक्शन न हो।
- **योजना के तहत अपात्रता (Exclusion):** ऐसे परिवार जिनके पास पहले से ही किसी भी तेल विपणन कंपनी का LPG कनेक्शन है, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।
  - ऐसे परिवार जहां कोई वयस्क महिला सदस्य नहीं है, वे इस योजना के तहत गैस कनेक्शन के लिए पात्र नहीं होंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मैत्री 2.0 क्रॉस-इनक्यूबेशन प्रोग्राम

चर्चा में क्यों?

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने भारत-ब्राजील क्रॉस-इंक्यूबेशन प्रोग्राम इन एग्रीटेक का दूसरा संस्करण लॉन्च किया। इस प्रोग्राम को 'मैत्री 2.0' कहा गया है।

मुख्य बिन्दु:

मैत्री 2.0:

- यह एक संयुक्त पहल है, जो मैत्री 1.0 के अनुभवों पर आधारित है। इसे ICAR द्वारा भारतीय और ब्राजीलियाई स्टार्टअप और इनोवेटर्स के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए शुरू की गई है।
- संधारणीय कृषि, डिजिटल तकनीक और मूल्य श्रृंखला विकास पर ध्यान देकर मजबूत खाद्य प्रणाली को बढ़ावा देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

औद्योगिक पार्क रेटिंग सिस्टम (IPRS) 3.0

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने IPRS 3.0 लॉन्च किया।

मुख्य बिन्दु:

'औद्योगिक पार्क रेटिंग सिस्टम 3.0':

- इसके तहत औद्योगिक पार्क्स को अलग-अलग संकेतकों में उनके प्रदर्शन के आधार पर मानकीकृत तथा लीडर्स , चैलेंजर्स और एस्पायरर्स श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा।
- **विकासकर्ता:** उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) ने एशियाई विकास बैंक (ADB) के सहयोग से विकसित किया है।
- **मुख्य नए तत्व:** इसमें नए मानदंड शामिल हैं, जैसे-सस्टेनेबिलिटी , ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी, डिजिटाइजेशन, स्किल लिंकेज और टैलेंट फीडबैक।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2025

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन :** 13 से 21 सितंबर, 2025 तक जापान नेशनल स्टेडियम, टोक्यो, जापान में आयोजित की गई।
- वर्ष 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप तीसरी बार जापान में आयोजित की जाएगी। पहली बार वर्ष 1991 में टोक्यो तथा दूसरी बार वर्ष 2007 में ओसाका में आयोजित हुई थी।
- **संस्करण :** 20वाँ।
- **कुल पदक :** 147 पदक।
- **प्रतिभागी :** एथलेटिक्स में 49 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले 198 देशों के 2,202 एथलीट।
- **क्वालीफिकेशन इवेंट:** चीन के गुआंगज़ौ में आयोजित 2025 विश्व एथलेटिक्स रिले ने चैंपियनशिप के लिए शीर्ष 14 रिले टीमों को क्वालीफाई करने का कार्य किया।
- **अगला संस्करण :** 21वीं विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2027 में बीजिंग, चीन में आयोजित की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पदक तालिका :

रैंक	देश	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक	कुल पदक
1st	संयुक्त राज्य अमेरिका	16	5	5	26
2nd	केन्या	7	2	2	11
3rd	कनाडा	3	1	1	5
4th	नीदरलैंड	2	2	2	6
5th	बोत्सवाना	2	0	1	3
5th	स्पेन	2	0	1	3
5th	न्यूज़ीलैंड	2	0	1	3
5th	स्वीडन	2	0	1	3
40th	जापान	0	0	2	2

प्रमुख एथलीट और रिकॉर्ड :

- एक विश्व रिकॉर्ड, नौ चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए गए, जिसमें समोआ, सेंट लूसिया और उरुग्वे के लिए पहली बार विश्व चैंपियनशिप पदक और तंजानिया के लिए पहली बार विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक शामिल हैं।
- **मेलिसा जेफरसन-वुडन (USA) :** 100 मीटर (मीटर), 200 मीटर और 4×100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीते, जिसमें 100 मीटर (10.61 सेकंड)) में चैंपियनशिप रिकॉर्ड था।
- **मोंडो डुप्लांटिस (स्वीडन) :** पुरुषों की पोल वॉल्ट में 6.30 मीटर की दूरी तय करते हुए विश्व रिकॉर्ड बनाया।
- **सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन (USA) :** महिलाओं की 400 मीटर में 47.78 सेकेंड के साथ चैंपियनशिप रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो इतिहास में दूसरा सबसे तेज समय है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत का प्रदर्शन :

- **पदक:** भारत ने पदक हासिल नहीं किया, जो दो संस्करणों में अपना पहला अभियान था।

ऊंची कूद	सर्वेश अनिल कुशारे	पुरुषों की ऊंची कूद के फाइनल में 2.28 मीटर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ) के साथ 6 वें स्थान पर रहे। कुशारे विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर बन गए।
भाला फेंक	सचिन यादव	86.27 मीटर भाला फेंक कर चौथे स्थान पर रहे।
	नीरज चोपड़ा	84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे।
5000 मीटर	गुलवीर सिंह	5,000 मीटर फाइनल के लिए 0.19 सेकंड से क्वालीफाई करने से चूक गए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**हेओ और टाटो-I** ■ हाल ही में, प्रधान मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की सीमा के करीब सियोम नदी पर हेओ और टाटो-I नामक दो जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखी। **सियोम नदी:** ■ यह पूर्वी हिमालय से निकलती है। ■ यह नदी अपने अधिकांश अपवाह मार्ग में पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है और अंत में सियांग नदी में मिल जाती है। ■ अरुणाचल प्रदेश की सियांग नदी आगे कई नदियों के मिलने के बाद ब्रह्मपुत्र नाम से बहती है।
2.	**ला ऑर्चिला द्वीपसमूह** ■ वेनेजुएला ने अपने कैरिबियन द्वीप ला ऑर्चिला पर सैन्य अभ्यास शुरू किए। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां बढ़ने के कारण तनाव बढ़ गया है। ■ यह अटलांटिक महासागर के कैरिबियाई सागर में वेनेजुएला के तट के पास स्थित है। यहां वेनेजुएला का एक सैन्य अड्डा स्थित है।
3.	**प्रोडक्शन गैप रिपोर्ट, 2025** ■ इसे स्टॉकहोम एनवायरनमेंट इंस्टीट्यूट, क्लाइमेट एनालिटिक्स, और 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' ने जारी किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.

प्रोजेक्ट विजयक

- सीमा सड़क संगठन (BRO) के प्रोजेक्ट विजयक ने कारगिल (लद्दाख) में अपना 15वां स्थापना दिवस मनाया।

प्रोजेक्ट विजयक:

- इसे 2010 में शुरू किया गया। इसे कारगिल और जांस्कर क्षेत्रों में सड़क संपर्क प्रदान करने की जिम्मेदारी दी गई, जो पहले प्रोजेक्ट हिमांक के अंतर्गत आते थे।
- इस प्रोजेक्ट का नाम ऑपरेशन विजय (1999 के कारगिल युद्ध) से लिया गया है।
- इस परियोजना ने लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास सुरक्षा अवसंरचना मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR